आइए, करके देखें

आओ, पैटर्न बनाएँ

उद्देश्य : यह गतिविधि आँगनवाड़ी केन्द्र पर आने वाले 3 से 6 साल के बच्चों की याद रखने, और तार्किक ढंग से सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है।

आवश्यक सामग्री : चार कंकड़, चार पत्तियाँ, चार तीलियाँ, चार मोती

आयु वर्ग : 3 से 6 साल के बच्चे

चित्र : शिवेन्द्र पांडिया

पहला चरण

आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / शिक्षिका सभी बच्चों को एक गोले में बैठाएँ, और ख़ुद भी उनके साथ गोल घेरे में बैठें।

बच्चों से कहें, "आज हम कुछ चीज़ों को एक क्रम में रखकर सजाएँगे। पहले एक बार मैं करके दिखाऊँगी, ध्यान से देखना। फिर एक-एक करके इसी क्रम को आप आगे बढ़ाएँगे।"

दूसरा चरण

कार्यकर्त्री / शिक्षिका बच्चों को दिखाते हुए पहले एक सीधी लाइन में एक कंकड़, एक पत्ती, फिर एक तीली और उसके बाद एक मोती रखकर सजाएँ।

कार्यकर्त्री इसी क्रम को बार-बार दोहराते हुए सारी सामग्री को एक-एक कर रखकर सजाती जाएँ।

बच्चों को लगातार ध्यान से देखने के लिए याद दिलाती रहें।

तीसरा चरण

कार्यकर्त्री इस पूरी सामग्री को फिर से गोले के बीच में इकट्ठा कर दें।

अब बच्चों को एक नया पैटर्न बनाकर दिखाएँ। जैसे—एक तीली, एक कंकड़, एक पत्ती और एक मोती।

इसके बाद बच्चों को बारी-बारी से मौक़ा दें कि वे दी गई सामग्री में से सही वस्तु को एक-एक कर चुनकर उसी क्रम में रखते हुए पैटर्न को आगे बढ़ाएँ।

इस तरह हर बच्चा एक-एक वस्तु क्रम से रखकर पैटर्न पूरा करता जाए।

सुझाव : अगर कोई बच्चा सही पैटर्न नहीं बना पाता है, तब कार्यकर्त्री / शिक्षिका बाक़ी बच्चों से बात कर उनके सहयोग से उस बच्चे की मदद करें ताकि उनमें एक दूसरे के साथ मिलकर सीखने की भावना विकसित हो।

अधिक संख्या में बच्चों के लिए

चूँकि प्रत्येक पैटर्न के लिए वस्तुएँ केवल चार-चार की संख्या में ही ली गई हैं, इसलिए यदि बच्चों की संख्या अधिक हो तब कार्यकर्त्री पहले बनाए गए पैटर्न की सामग्री इकट्ठी करके उन्हें नए पैटर्न बनाने के लिए उपलब्ध कराएँ।

सुझाव : आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री बच्चों की आयु को ध्यान में रखते हुए चीज़ों की संख्या बढ़ा या घटाकर गतिविधि को आसान या कठिन बना सकती हैं। चीज़ों के प्रकार उपलब्धता के आधार पर बदले जा सकते हैं।

(यह गतिविधि विपिन चौहान द्वारा साझा की गई है। विपिन अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन की फ़ील्ड रिसर्च टीम के सदस्य हैं, तथा देहरादून में कार्यरत हैं।)

बाज़ार की सैर

उद्देश्य : इस गतिविधि से बच्चे वस्तुओं के मूल्य को देखकर समझ पाएँगे कि वह किस मूल्य के नोट का उपयोग करके कौन-सा सामान ख़रीद सकते हैं। इस खेल को बार-बार खेलने से बच्चों की ख़रीदारी करने की समझ भी बनेगी।

आयु वर्ग : 4 से 6 साल के बच्चे

आवश्यक सामग्री : विभिन्न वस्तुओं के चित्र, विभिन्न मूल्यों के नोट, चार्ट पेपर

गतिविधि से पूर्व की तैयारी

आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / शिक्षिका एक चार्ट पेपर पर सेब, खिलौना गाड़ी, चॉकलेट, पेंसिल, मोबाइल जैसी बच्चों की परिचित वस्तुओं के चित्र इस तरह लगा लें कि उन्हें आसानी से निकाला जा सके। प्रत्येक वस्तु के नीचे उनके मूल्य के नोट भी लगा दें। मसलन, सेब के नीचे ₹10 का नोट। कार्यकर्त्री ध्यान रखें कि उन्हीं मूल्यों के नोट का उपयोग करें जो वर्तमान में अधिक प्रचलन में हैं। मसलन, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹500। इन्हीं मूल्यों के कुछ नोट गतिविधि कराने के लिए बच्चों के सामने रख दें।

गतिविधि की शुरुआत

कार्यकर्त्री / शिक्षिका सभी बच्चों को अपने सामने इस तरह बैठाएँ कि प्रत्येक बच्चा उनके द्वारा दिए जा रहे निर्देश और कराई जा रही गतिविधि को आसानी से देख-समझ सके, तथा प्रक्रिया में शामिल हो सके।

चित्र : शिवेन्द्र पांडिया

वह बच्चों को बताएँ कि आज हम 'बाज़ार की सैर' करेंगे, और अपनी-अपनी पसन्द की वस्तु ख़रीदेंगे। वह उनसे यह भी पूछें कि बताओ, मैंने अभी क्या बात की है। यदि वे नहीं बता पाएँ तब अपनी बात को फिर से दोहराएँ।

कार्यकर्त्री / शिक्षिका वस्तुएँ और उनके मूल्य के नोट प्रदर्शित करने वाले पोस्टर बच्चों को इस तरह से दिखाएँ कि वे वस्तुएँ और उनका मूल्य आसानी से देख सकें।

वह उन्हें बताएँ कि यह एक वस्तु है, और इसके ठीक नीचे उस वस्तु का जितना मूल्य है उस मूल्य का नोट लगा है। यदि आपको वह वस्तु ख़रीदनी है, आप अपने सामने रखे तरह-तरह के मूल्य वाले नोटों में से उस वस्तु के मूल्य वाले नोट को उठाकर मुझे देंगे ताकि मैं वह वस्तु आपको दे सकूँ।

कार्यकर्त्री / शिक्षिका इस प्रक्रिया को एक उदाहरण के साथ भी बताएँ। जैसे—किसी को कार खिलौना ख़रीदना है और उसके ठीक नीचे उसका मूल्य ₹20 लिखा है। अब वह बच्चा अपने सामने रखे नोट में से ₹20 उठाकर खिलौना ख़रीदने के लिए मुझे देगा, और मैं यह खिलौना उसको दे दूँगी।

इस तरह सभी बच्चे अपनी-अपनी पसन्द की वस्तुएँ ख़रीद सकते हैं।

अब कार्यकर्त्री / शिक्षिका एक-एक बच्चे को बुलाएँगी और उससे पूछेंगी कि वह कौन-सी वस्तु ख़रीदना चाहता है। वह बच्चे को उस वस्तु के मूल्य के नोट की ओर इशारा करते हुए उसका मूल्य बताएँगी, और कहेंगी कि वह सामने रखे नोटों में से इस वस्तु के मूल्य के नोट को ढूँढ़कर दे। फिर वे बच्चे की पसन्द की वस्तु उसे दे देंगी।

यदि बच्चा इस प्रक्रिया को समझकर सामने रखे नोट में से सही मूल्य का नोट निकालकर कार्यकर्त्री / शिक्षिका को दे देता है तो उसे वह वस्तु मिल जाएगी।

इस प्रक्रिया को कार्यकर्त्री / शिक्षिका प्रत्येक बच्चे के साथ दोहराएँ। यदि कोई बच्चा इसमें कठिनाई महसूस कर रहा है तो उसके साथ गतिविधि को दुबारा करें। ऐसे बच्चे के साथ गतिविधि कुछ इस तरह से भी हो सकती है कि वह अपने सामने रखे नोटों में से एक नोट उठाएगा, और नोट के मूल्य अनुसार चार्ट में वस्तुओं के मूल्य को देखते हुए समान मूल्य की वस्तु की पहचान करेगा। यदि वह सही पहचान कर पाता है तो उसको वह वस्तु मिल जाएगी। कठिनता महसूस करने वाले बच्चों के लिए यह एक अलग तरीक़ा हो सकता है।

जब सभी बच्चे इस गतिविधि को सहजता से करने लगें तब गतिविधि के स्तर को बढ़ाते हुए वस्तुओं के मूल्यों में परिवर्तन कर यह गतिविधि दोहराई जा सकती है।

सुझाव

- बच्चों के सामने केवल वही नोट रखे जाएँ जिन मूल्यों की वस्तुएँ सामने चार्ट पर अंकित हों।
- कम मूल्यों के नोट जैसे, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100 से गतिविधि की शुरुआत करना अच्छा रहेगा।
- बच्चों को जो निर्देश या प्रक्रिया समझ में न आए, उसे दुबारा समझाया जाए।

यह गतिविधि रचना शेखर बिंधानि द्वारा साझा की गई है। शेखर वर्तमान में अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन की रायगढ़, छत्तीसगढ़ टीम में गणित विषय में कार्य कर रहे हैं।)